# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

| Class: VII- 2nd Lang | Department: Hindi | Date of submission: |
|---|---|---|
| Q. Bank | Topic: - **कठपुतली** | **Note:** Pls. Write in your Note Book |

**अति लघु उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न 1- मन के छंद छूने का अर्थ क्या है?

उत्तर- मन के छंद छूने का अर्थ है-अपनी मर्जी से काम करना।

प्रश्न 2- पहली कठपुतली की बात किसने सुनी?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात उसके साथ रहने वाली दूसरी कठपुतलियों ने सुनी।

प्रश्न 3- कठपुतली को धागे में क्यों बाँधा जाता है**?**

उत्तर- कठपुतली को धागे में इसलिए बाँधा जाता है ताकि उसे अपनी उँगलियों के सहारे नचाया जा सके।

प्रश्न 4- 'गुस्से से उबलना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

उत्तर- 'गुस्से से उबलना' मुहावरे का अर्थ है बहुत क्रोधित होना |

प्रश्न 5- कठपुतली अपने धागे को क्या करना चाहती थी?

उत्तर – कठपुतली अपने धागे को तोड़ देना चाहती थी |

प्रश्न 6- कठपुतली कहाँ खड़ा होना चाहती थी?

उत्तर - कठपुतली अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थी |

प्रश्न7- कठपुतली के मन में कौन-सी इच्छा जगी थी?

उत्तर – कठपुतली के मन में आज़ाद होने की इच्छा जगी थी |

प्रश्न8- कवि और कविता का नाम लिखिए|

उत्तर - कवि- भवानी प्रसाद मिश्र और कविता – कठपुतली

**लघु उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न1- कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर- कठपुतली को गुस्सा आया क्योंकि उसे सदैव दूसरों के इशारों पर नाचना पड़ता था और वह लंबे अरसे से धागे में बँधी थी। वह अपने पाँवों पर खड़ी होकर आत्मनिर्भर बनना चाहती थी। धागे में बँधना उसे पराधीनता लगती थी |

प्रश्न2- कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है,लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

उत्तर- कठपुतली स्वतंत्र होकर अपने पाँवों पर खड़ी होना चाहती है लेकिन खड़ी नहीं होती क्योंकि जब उस पर सभी कठपुतलियों की स्वतंत्रता की जिम्मेदारी आती है तो वह डर जाती है कि कहीं उसके द्वारा उठाया गया कदम सबको मुश्किल में न डाल दे।

प्रश्न3- पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगीं?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को बहुत अच्छी लगी क्योंकि वे भी स्वतंत्र होना चाहती थीं| अपनी मर्जी के अनुसार चलना चाहती थीं। पराधीन रहना किसी को पसंद नहीं होता है।

प्रश्न4- कठपुतली कविता में मुख्य रूप से किस विचार को प्रकट किया गया है ?

उत्तर- इस कविता में मुख्य रूप से इस विचार को प्रकट किया गया है कि स्वतंत्रता प्रत्येक के लिए आवश्यक है| पराधीन रहकर कोई सुखी नहीं रह सकता|पराधीनता का जीवन कोई भी नहीं जीना चाहता |

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

प्रश्न1- कठपुतली अपने फैसले पर पुनः विचार क्यों करने लगीं?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात सुनकर सभी दूसरी कठपुतलियाँ विद्रोह की बात करने लगीं| यह देखकर वह सोच में पड़ गई कि क्या उसका फैसला सही था| उसे भय हुआ कि कहीं उसके स्वतंत्र होने की इच्छा उसकी सहेलियों को किसी मुसीबत में न डाल दे| वह जानती थी कि आज़ादी पाना कठिन तो है लेकिन उसे सँभाल पाना और भी कठिन है| इसलिए वह कठपुतली अपने फैसले पर पुनः विचार करने लगीं |

प्रश्न- 2 इस कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर- इस कविता के माध्यम से कवि ने आजादी के महत्त्व को समझाने का प्रयास किया है। इसके साथ ही कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि आज़ादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों का अहसास हमें होना चाहिए। स्वतंत्र होना सभी को अच्छा लगता है लेकिन स्वतंत्रता का सही उपयोग कम ही लोग कर पाते हैं। अतः आज़ादी के बाद आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त अपनी आज़ादी को बनाए रखने के लिए हमेशा कोशिश करना पड़ता है।

लेखन कार्य –

प्रश्न-1 दिए गए चित्र का वर्णन 40-50 शब्दों में कीजिए|

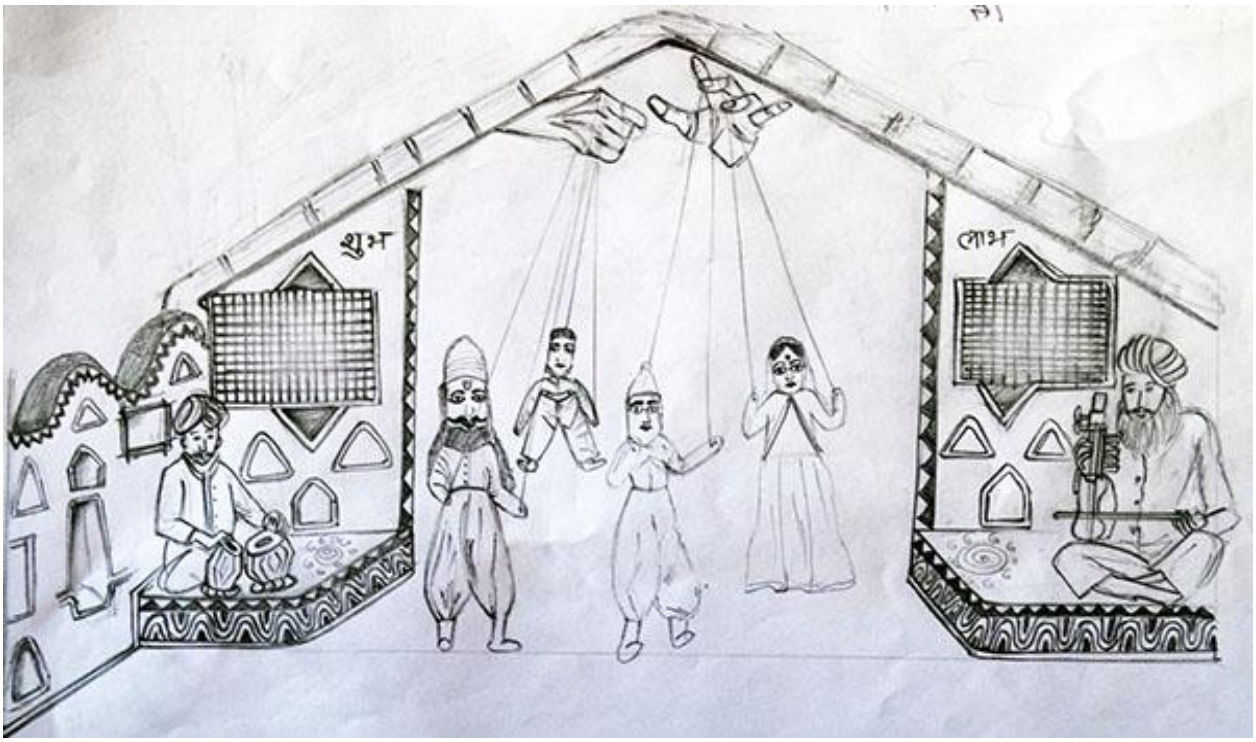


प्रश्न- 2 **'गणतन्त्र दिवस' पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए |**

**********